Date 21/5/20

Pedagogy of Physical Science
Pedagogy of Mathematics
Pedagogy of Biological Science

B.Ed IInd year
Period- VI th

Topic- उपचारात्मक शिक्षण

## उपचारात्मक शिक्षण =

उपचारात्मक शिक्षण का मुख्य आधार निदानात्मक परीक्षण ही है जिनके द्वारा यह पता लगाया जाता है कि अधिगम सम्बन्धी कठिनाइयों, कमजोरियों, दुर्बलताओं अक्षमताओं एवं परेशानियों आदि के क्या कारण है। निदानात्मक परिणामों के उपरान्त उपचारात्मक शिक्षण की उचित रूप से व्यवस्था की जा सकती है क्योंकि जैसा निदान होता है, वैसा ही उपचार भी होता है।

इस प्रकार उपचारात्मक शिक्षण समस्याग्रस्त विद्यार्थियों को समस्या से मुक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

## परिभाषा

1- योकम एवं सिम्पसन के अनुसार "
उपचारात्मक शिक्षण उचित रूप से निदानात्मक शिक्षण के बाद आता है।

## उपचारात्मक शिक्षण के उद्देश्य =

उपचारात्मक शिक्षण के निम्न उद्देश्य है।

Scanned with CamScanner

1⇒ विद्यार्थियों की अधिगम सम्बन्धी दुर्बलताओं व अक्षमताओं को समाप्त करना।

2⇒ विद्यार्थियों की अधिगम सम्बन्धी कमियों एवं कमजोरियों को दूर करके उनको भविष्य में भी उन दोषों से दोषमुक्त करना।

3⇒ विद्यार्थियों की अवांछनीय सोचयों, आदतों एवं दृष्टिकोणों को वांछनीय सोचयों, आदर्शों एवं दृष्टिकोणों में परिवर्तन करना।

4⇒ विद्यार्थियों में शिक्षण के प्रति सोच उत्पन्न करना।

5⇒ विद्यार्थियों में आत्म विश्वास को जन्म देना।

## उपचारात्मक शिक्षण के प्रकार ⇒

1- कक्षा शिक्षण

2- ट्यूटोरियल शिक्षण

3- स्व अनुदेशित शिक्षण

4- अनौपचारिक शिक्षण

Continue

Scanned with CamScanner